①

Sem - IIIrd
MJC

Subject - Psychology. MJC / MIC
Unit - 01, Fundamentals of statistics.
Topic - Meaning and uses of statistics in Psychology.
Date - 03.02.2026
Name - Dr. Shyam Sundar Sharma.

Ques. :- मनोविज्ञान में सांख्यिकी के अर्थ और उपयोगों का वर्णन करें।

Ans:- सांख्यिकी मनोविज्ञान की एक ऐसी शाखा है जिसमें मनोवैज्ञानिक तथ्यों को संग्रहित, वर्गीकृत, सारणीबद्ध, विश्लेषित एवं व्याख्या किया जाता है। सांख्यिकी का प्रयोग व्यवहार, मानसिक प्रक्रियाओं, बुद्धि, व्यक्तित्व, सीखने, स्मृति, भावना इत्यादि से सम्बंधित आँकड़ों को वैज्ञानिक ढंग से समझने के लिए किया जाता है।

* मनोविज्ञान में सांख्यिकी का प्रयोग :-

(1) डेटा के संगठन में सहायक :- सांख्यिकी बड़े से बड़े मनोवैज्ञानिक आँकड़ों को व्यवस्थित और सार्थकता प्रदान करती है।

(2) व्यवहार की माप :- इसके अन्तर्गत बुद्धि, व्यक्तित्व, अभिरुची, अभिक्षमता इत्यादि का मापन सांख्यिकी विधि द्वारा की जाती है।

(3) शोध कार्यों में उपयोग :- मनोवैज्ञानिक अनुसंधान में परिकल्पना परीक्षण के लिए सांख्यिकी काफी महत्वपूर्ण है।

(4) तुलना करने में सहायक :- विभिन्न समूहों जैसे बालक - बालिका, ग्रामीण - शहरी, ट्रेन्ड - अनट्रेन्ड इत्यादि का तुलना करने में इस विधि का उपयोग किया जाता है।

(5) परिणामों की व्याख्या :-

P.T.O

आँकड़ों के आधार पर निष्कर्ष निकालने और सामान्यीकरण करने में सांख्यिकी विधि काफी सहायक है।

(6) पूर्वानुमान (Prediction):- सांख्यिकीय विधि द्वारा व्यवहार और प्रदर्शन का अनुमान लगाया जाता है।

(7) विश्वसनीयता और वैधता की जाँच: मनोवैज्ञानिक परीक्षणों की विश्वसनीयता और वैधता की जाँच सांख्यिकी विधि द्वारा किया जाता है। अत: हम कह सकते हैं कि सांख्यिकी (Statistics) मनोविज्ञान की रीढ़ है। इसके अभाव में मनोवैज्ञानिक अध्ययन वैज्ञानिक, वस्तुनिष्ठ और विश्वसनीयता की जाँच करना संभव नहीं है।